





## प्रतियोगिता से प्रतिभा में आता है निखार : मिथिलेश ठाकुर

प्रभात मंत्र संवाददाता

**गढ़वा :** ज्ञारखंड बॉलीबाल संघ के तत्वावधान में गढ़वा जिला द्वारा आयोजित 16वीं राज्य स्तरीय अंतर जिला बालक बालिका बॉलीबॉल प्रतियोगिता का समापन रविवार को किया गया। 30 दिनों तक चले इस प्रतियोगिता के बालक वर्ग के फाईनल में धनबाद ने हजारीगांव को 3-0 से पराजित कर टॉफी पर कब्जा जमाया। तीसरा स्थान मेजबान गढ़वा का रहा। वहीं बालिका वर्ग के फाईनल मैच में गढ़वा ने पश्चिम सिंहभूम को 3-0 से हरा का खिताब पर कब्जा जमाया। तीसरा स्थान रामगढ़ ने प्राप्त किया। पुरस्कार मुख्य अंतिथ पेयजल व स्वच्छता मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने किया। उन्होंने विजेता एवं उपविजेता टीम को टॉफी देकर सम्मानित किया। इस मौके पर मुख्य



अतिथि मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने कहा कि इस तरह के आयोजन से खिलाड़ियों को एक अच्छा अवसर प्रदान है कि वे अपने प्रतियोगिता को निखार सकें। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी यहाँ राज्य स्तरीय कई प्रतियोगिता आयोजित करायी जा

चुकी है जिसमें एथेलेटिक्स, फुटबॉल, साइकिलिंग एवं बॉलीबॉल शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अपने बाले समय में गढ़वा में खेल महोसूल भी आयोजित कराया जाएगा। जिसमें सभी खेलों का शामिल कराया जाएगा। उन्होंने कहा

कि इस तरह के आयोजन से खिलाड़ियों को अपने प्रतिभा निखारने का एक मंच संघ के द्वारा प्रदान किया जाता है। जिसमें वह अपने प्रतिभा को निखार सके। आज खेल के क्षेत्र में करियर की अपार संभावनाएं हैं। कोई भी

प्रभात मंत्र संवाददाता

बंशीधर नगर : श्री श्री ठाकुर अनुकूल चंद्र जी के अनुयायियों द्वारा जांगोपुर ग्राम स्थित सत्संग उपासना केन्द्र जीवंतपात्र के प्रगांग में सत्संग का आयोजन किया गया। सत्संग का शुभारंभ बन्देशुरोत्तम ध्वनि, शंख ध्वनि के बीच दीप प्रज्ञविल तर किया गया। इसके बाद संधाकालीन विनामी प्रार्थना, समवेत नाम जप, सत्यानु शरण पाठ, नामी नीति पाठ किया गया। इच्छाचार करते हुये ऋत्विक विजय नंदन प्रसाद सिन्हा ने कहा कि सांसारिक ज्ञान अंतर्ण व्यवहारिक ज्ञान के बाद ही बह्म ज्ञान की प्राप्ति संभव है। यदि मनव परिवार के सभी सदस्यों के बीच प्रेम, पड़ोसियों के साथ मधुर व्यवहार रखता है, तो उसके अंदर सुदृग आते हैं। यदि किसी परिवार में किसी व्यक्ति का भाई अस्ति के पथ पर

चलता है तो उस भाई का परिवार में अपने हृदय में श्रद्धा रखकर विजित आपति में हर सम्भव सहायता करना चाहिये तथा उस भाई को सर्वतों के पथ पर लाने का प्रयास करना चाहिये। उन्होंने कहा कि विवाह दो प्रकार के होते हैं। प्रथम अनुलोम विवाह व दूसरा प्रतिलोम विवाह। अनुलोम विवाह हमेशा परिवार में उत्तमि को प्रसव करता है, इससे सुसंतान की प्राप्ति होती है। यहीं इसके बाले वाले वाहन चलाने की अपील किया।

प्रभात मंत्र संवाददाता

गढ़वा : पुलिस केंद्र गढ़वा के सभापाल में पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार पांडे व अध्यक्ष में सड़क सुशाक को लेकर सभी पेट्रोल पंप संचालकों, अधिकारियों, मोर्टयान निरीक्षक, परिवहन विभाग और सड़क बालों वाली कंपनियों के साथ बैठक आयोजित की गयी। बैठक में पुलिस अधीक्षक गढ़वा जिले के सभी पेट्रोल पंप संचालकों को नो हेल्पमेंट, नो पेट्रोल अधियान चलाने के लिए निर्देश दिया गया। साथ ही बिना हेल्पमेंट पहने पेट्रोल लेने आने वाले वाहन चलाने को हेल्पमेंट के लिए जारूर करने को कहा गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिया कि अपने इच्छित विवाह अच्छे ढांग से अपने इच्छित विवाह अनुलोम विवाह करना चाहिये। अनुलोम विवाह से परिवार में सुख शांति बनी रहती है। अच्छे ज्ञान की प्राप्ति सत्संग से ही होता है। ऋत्विक धृति सुंदर लाल ने परिवार में उत्तमि को प्रसव करता है, इससे सुसंतान की प्राप्ति होती है। सड़क के प्रमुख मार्गों पर रेडियम स्ट्रिप टर्निंग बाइंट सड़क

चलता है तो उस भाई का परिवार

में अपने हृदय में श्रद्धा रखकर विजित आपति में हर सम्भव सहायता करना चाहिये तथा उस भाई को सर्वतों के पथ पर लाने का प्रयास करना चाहिये। उन्होंने कहा कि विवाह दो प्रकार के होते हैं। प्रथम अनुलोम विवाह व दूसरा प्रतिलोम विवाह। अनुलोम विवाह हमेशा परिवार में उत्तमि को प्रसव करता है, इससे सुसंतान की प्राप्ति होती है। यहीं इसके बाले वाले वाहन चलाने की अपील किया।

प्रभात मंत्र संवाददाता

गढ़वा : देव दीवाली पर 5051 दिन से जगमग हुआ हुत्यैनाबाद का छठ घाट

चलता है तो उस भाई का परिवार में अपने हृदय में श्रद्धा रखकर विजित आपति में हर सम्भव सहायता करना चाहिये तथा उस भाई को सर्वतों के पथ पर लाने का प्रयास करना चाहिये। उन्होंने कहा कि विवाह दो प्रकार के होते हैं। प्रथम अनुलोम विवाह व दूसरा प्रतिलोम विवाह। अनुलोम विवाह हमेशा परिवार में उत्तमि को प्रसव करता है, इससे सुसंतान की प्राप्ति होती है। यहीं इसके बाले वाले वाहन चलाने की अपील किया।

प्रभात मंत्र संवाददाता

गढ़वा : देव दीवाली पर 5051 दिन से जगमग हुआ हुत्यैनाबाद का छठ घाट

चलता है तो उस भाई का परिवार

में अपने हृदय में श्रद्धा रखकर विजित आपति में हर सम्भव सहायता करना चाहिये तथा उस भाई को सर्वतों के पथ पर लाने का प्रयास करना चाहिये। उन्होंने कहा कि विवाह दो प्रकार के होते हैं। प्रथम अनुलोम विवाह व दूसरा प्रतिलोम विवाह। अनुलोम विवाह हमेशा परिवार में उत्तमि को प्रसव करता है, इससे सुसंतान की प्राप्ति होती है। यहीं इसके बाले वाले वाहन चलाने की अपील किया।

प्रभात मंत्र संवाददाता

गढ़वा : देव दीवाली पर 5051 दिन से जगमग हुआ हुत्यैनाबाद का छठ घाट

चलता है तो उस भाई का परिवार

में अपने हृदय में श्रद्धा रखकर विजित आपति में हर सम्भव सहायता करना चाहिये तथा उस भाई को सर्वतों के पथ पर लाने का प्रयास करना चाहिये। उन्होंने कहा कि विवाह दो प्रकार के होते हैं। प्रथम अनुलोम विवाह व दूसरा प्रतिलोम विवाह। अनुलोम विवाह हमेशा परिवार में उत्तमि को प्रसव करता है, इससे सुसंतान की प्राप्ति होती है। यहीं इसके बाले वाले वाहन चलाने की अपील किया।

प्रभात मंत्र संवाददाता

गढ़वा : देव दीवाली पर 5051 दिन से जगमग हुआ हुत्यैनाबाद का छठ घाट

चलता है तो उस भाई का परिवार

में अपने हृदय में श्रद्धा रखकर विजित आपति में हर सम्भव सहायता करना चाहिये तथा उस भाई को सर्वतों के पथ पर लाने का प्रयास करना चाहिये। उन्होंने कहा कि विवाह दो प्रकार के होते हैं। प्रथम अनुलोम विवाह व दूसरा प्रतिलोम विवाह। अनुलोम विवाह हमेशा परिवार में उत्तमि को प्रसव करता है, इससे सुसंतान की प्राप्ति होती है। यहीं इसके बाले वाले वाहन चलाने की अपील किया।

प्रभात मंत्र संवाददाता

गढ़वा : देव दीवाली पर 5051 दिन से जगमग हुआ हुत्यैनाबाद का छठ घाट

चलता है तो उस भाई का परिवार

में अपने हृदय में श्रद्धा रखकर विजित आपति में हर सम्भव सहायता करना चाहिये तथा उस भाई को सर्वतों के पथ पर लाने का प्रयास करना चाहिये। उन्होंने कहा कि विवाह दो प्रकार के होते हैं। प्रथम अनुलोम विवाह व दूसरा प्रतिलोम विवाह। अनुलोम विवाह हमेशा परिवार में उत्तमि को प्रसव करता है, इससे सुसंतान की प्राप्ति होती है। यहीं इसके बाले वाले वाहन चलाने की अपील किया।

प्रभात मंत्र संवाददाता

गढ़वा : देव दीवाली पर 5051 दिन से जगमग हुआ हुत्यैनाबाद का छठ घाट

चलता है तो उस भाई का परिवार

में अपने हृदय में श्रद्धा रखकर विजित आपति में हर सम्भव सहायता करना चाहिये तथा उस भाई को सर्वतों के पथ पर लाने का प्रयास करना चाहिये। उन्होंने कहा कि विवाह दो प्रकार के होते हैं। प्रथम अनुलोम विवाह व दूसरा प्रतिलोम विवाह। अनुलोम विवाह हमेशा परिवार में उत्तमि को प्रसव करता है, इससे सुसंतान की प्राप्ति होती है। यहीं इसके बाले वाले वाहन चलाने की अपील किया।

प्रभात मंत्र संवाददाता

गढ़वा : देव दीवाली पर 5051 दिन से जगमग हुआ हुत्यैनाबाद का छठ घाट

चलता है तो उस भाई का परिवार

में अपने हृदय में श्रद्धा रखकर विजित आपति में हर सम्भव सहायता करना चाहिये तथा उस भाई को सर्वतों के पथ पर लाने का प्रयास करना चाहिये। उन्होंने कहा कि विवाह दो प्रकार के होते हैं। प्रथम अनुलोम विवाह व दूसरा प्रतिलोम विवाह। अनुलोम विवाह हमेशा परिवार में उत्तमि को प्रसव करता है, इससे सुसंतान की प्राप्ति होती है। यहीं इसके बाले वाले वाहन चलाने की अपील किया।

प्रभात मंत्र संवाददाता

गढ़वा : देव दीवाली पर 5051 द



## संक्षिप्त खबरें

इंटर हाउस कराटे चौथीनवंशि पंचम

रांची : इंटर हाउस कराटे चौथीनवंशि पंचम सफ्ट पिछले दिनों के ब्रिवदन पवित्रक स्कूल गत , संचार में चार हाउस के बीच कराटे चौथीनवंशि संपादन हुआ जिसमें गंगा हाउस प्रथम 16 मेडल, द्वितीय यमुना हाउस 14 मेडल, तृतीय सतलज हाउस 13 मेडल एवं गोदावरी को 11 मेडल लेकर चतुर्थ स्थान प्राप्त हुए। उनके मुख्य अतिथि थे परीक्षा विधायक जिनके द्वारा बच्चों को मेडल प्रदान किया गया इनके के रिपोर्ट थे सिंहा शहजाद कुशी जिनको देख रख में यह प्रतियोगिता संपन्न हुई इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में रोहित भगत, रोनें तर्कीं, गंगा वाहिनी राज, पाहिल श्रीवास्तव, हर्ष राज वर्मा, सुहेल अंसरी, इंद्राणी कुशी, तारामण तिकाने, मनीला तिकाने ने सहयोग प्रदान की।

**ट्रैफिक संगलाने के लिए होमगार्ड जवानों की ली जाएगी मदद**

रांची : शहर की यातायात व्यवस्था में मैनपारवान की कमी को देखते हुए पहली बार होमगार्ड के 100 जवानों को तैनात करने की तैयारी चल रही है। यह विधायक ने इस पर अपनी स्वीकृति दे दी है। वित्तीय आवंटन मिलन के बाद चयनित जवानों को तीन महीने की ट्रेनिंग देकर ट्रैफिक इयरी में लगा दी जाएगी। ट्रैफिक एसपी कुमार गोरख ने बताया कि ट्रैफिक में जल्द ही स्ट्रेंग बढ़ावा जाएगा। बताते चले कि ट्रैफिक में 700 स्वीकृत पद होने के बाद भी 100 महिला बल समेत सिर्फ 400 जवानों की ही तैनाती की गई है। ऐसे में इन्होंने एक छोटा सा दुर्जन है और वह अपनी जरियों अब सुचारा रूप से चलते हुए साथ में अपने परिवार का भी पालन पोषण कर रहा है। मरीज ने पास अस्पताल एवं छोटे विवेक गोस्वामी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तकिया को बदावर प्रसाद में एक छोटा सा दुर्जन है और वह अपनी जरियों अब सुचारा रूप से चलते हुए साथ में अपने परिवार का भी पालन पोषण कर रहा है। मरीज ने पास अस्पताल एवं छोटे विवेक गोस्वामी का आभार व्यक्त करते हुए एक नया जीवन देने के लिए कृतज्ञता व्यक्त की। झारखण्ड के गणगढ़ जलिया का एक 50 वर्षीय व्यक्ति की विवाहित 7 विवाहित को मरीज के शरीर से ही मास निकलकर उसके हाथों की नस और मासपेशी का निर्माण किया जाता है। इस दुर्घटना में व्यक्ति का निर्माण किया जाता है।

## पारस अस्पताल रांची ने व्यक्ति के हाथ को कटने से बचाया

प्रभात मंत्र संवाददाता

रांची : जब तक मैं हूं किसी भी परिस्थिति में आदिवासी संतालियों के धार्मिक धरोहर लगु लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित लगु पहाड़ हाइडल पैपरेड स्ट्रोज प्रोजेक्ट को स्थापित नहीं होने दिया जाएगा।

हर हाल में आदिवासी समुदाय की आस्था

और विश्वास का धार्मिक धरोहर लगु पहाड़ को संरक्षित करने का काम होगा। ये बताते मुख्यमंत्री ने कहा लगु लगु के इतिहास के सजों का खनन है। अपर ऐसा नहीं होगा तो उन्हें वाली पोंछी। इसपर कार्य होना चाहिए। हमें अपने धर्म के प्रति जागरूक रहना है और अपने कर्तव्य को निभाना है। हर समाज के लिए शिक्षा जरूरी है। पहले तरं धनुष से लड़ाई लड़ी जाती थी, अब बुद्धि से लड़ाई होती है। इसलिए शिक्षा का महत्व है।

मुख्य रूप अतिथि बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने

कहा

लगु

मुख्य रूप अतिथि बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा लगु लगु आदिवासी समुदाय से ही पूर्जों द्वारा संचालित होता आ रहा है। समय के हिस्ब से जिस प्रकार समाज जागरूक हो रहा है, उसी तरह आदिवासी सरना धर्म को भी आगे बढ़ाना चाहिए। हमें अपने धर्म के प्रति जागरूक रहना है और अपने कर्तव्य को निभाना है। हर समाज के लिए शिक्षा जरूरी है। पहले तरं धनुष से लड़ाई लड़ी जाती थी, अब बुद्धि से लड़ाई होती है। इसलिए शिक्षा का महत्व है।

मुख्यमंत्री ने कहा लगु लगु के इतिहास के सजों का खनन है। अपर ऐसा नहीं होगा तो उन्हें वाली पोंछी। इसपर कार्य होना चाहिए। हमें अपने धर्म के प्रति जागरूक रहना है और अपने कर्तव्य को निभाना है। हर समाज के लिए शिक्षा जरूरी है। पहले तरं धनुष से लड़ाई लड़ी जाती थी, अब बुद्धि से लड़ाई होती है। इसलिए शिक्षा का महत्व है।

मुख्यमंत्री ने कहा लगु लगु के इतिहास के सजों का खनन है। अपर ऐसा नहीं होगा तो उन्हें वाली पोंछी। इसपर कार्य होना चाहिए। हमें अपने धर्म के प्रति जागरूक रहना है और अपने कर्तव्य को निभाना है। हर समाज के लिए शिक्षा जरूरी है। पहले तरं धनुष से लड़ाई लड़ी जाती थी, अब बुद्धि से लड़ाई होती है। इसलिए शिक्षा का महत्व है।

मुख्यमंत्री ने कहा लगु लगु के इतिहास के सजों का खनन है। अपर ऐसा नहीं होगा तो उन्हें वाली पोंछी। इसपर कार्य होना चाहिए। हमें अपने धर्म के प्रति जागरूक रहना है और अपने कर्तव्य को निभाना है। हर समाज के लिए शिक्षा जरूरी है। पहले तरं धनुष से लड़ाई लड़ी जाती थी, अब बुद्धि से लड़ाई होती है। इसलिए शिक्षा का महत्व है।

मुख्यमंत्री ने कहा लगु लगु के इतिहास के सजों का खनन है। अपर ऐसा नहीं होगा तो उन्हें वाली पोंछी। इसपर कार्य होना चाहिए। हमें अपने धर्म के प्रति जागरूक रहना है और अपने कर्तव्य को निभाना है। हर समाज के लिए शिक्षा जरूरी है। पहले तरं धनुष से लड़ाई लड़ी जाती थी, अब बुद्धि से लड़ाई होती है। इसलिए शिक्षा का महत्व है।

मुख्यमंत्री ने कहा लगु लगु के इतिहास के सजों का खनन है। अपर ऐसा नहीं होगा तो उन्हें वाली पोंछी। इसपर कार्य होना चाहिए। हमें अपने धर्म के प्रति जागरूक रहना है और अपने कर्तव्य को निभाना है। हर समाज के लिए शिक्षा जरूरी है। पहले तरं धनुष से लड़ाई लड़ी जाती थी, अब बुद्धि से लड़ाई होती है। इसलिए शिक्षा का महत्व है।

मुख्यमंत्री ने कहा लगु लगु के इतिहास के सजों का खनन है। अपर ऐसा नहीं होगा तो उन्हें वाली पोंछी। इसपर कार्य होना चाहिए। हमें अपने धर्म के प्रति जागरूक रहना है और अपने कर्तव्य को निभाना है। हर समाज के लिए शिक्षा जरूरी है। पहले तरं धनुष से लड़ाई लड़ी जाती थी, अब बुद्धि से लड़ाई होती है। इसलिए शिक्षा का महत्व है।

मुख्यमंत्री ने कहा लगु लगु के इतिहास के सजों का खनन है। अपर ऐसा नहीं होगा तो उन्हें वाली पोंछी। इसपर कार्य होना चाहिए। हमें अपने धर्म के प्रति जागरूक रहना है और अपने कर्तव्य को निभाना है। हर समाज के लिए शिक्षा जरूरी है। पहले तरं धनुष से लड़ाई लड़ी जाती थी, अब बुद्धि से लड़ाई होती है। इसलिए शिक्षा का महत्व है।

मुख्यमंत्री ने कहा लगु लगु के इतिहास के सजों का खनन है। अपर ऐसा नहीं होगा तो उन्हें वाली पोंछी। इसपर कार्य होना चाहिए। हमें अपने धर्म के प्रति जागरूक रहना है और अपने कर्तव्य को निभाना है। हर समाज के लिए शिक्षा जरूर









# प्रभात मंत्र

## संक्षिप्त खबरें

अब कोनरा पंचायत भवन से मिलेंगी सरती दवाइयां  
ऑनलाइन विकिसक से ले सकते हैं सलाह

**बरही (प्रभात मंत्र संचाददाता):** नियमित दवाओं का सेवन करने वालों के लिए यह खुशखबरी है। कोनरा पंचायत भवन स्थित प्रश्ना केंद्र से सर्टी दवाइयां उपलब्ध करवाया जाना प्रभंग किया जा चुका है। यह सेवा प्रारंभ हो जाने से नियमित दवा सेवन करने वाले मरीज को विशेष लाभ मिलेगा। उहे ऊंची दवा सरता और उनके बारे तक उपलब्ध कराए जायेंगे। इसके लिए मरीज को विकिसक को पुर्जा दियाना अनिवार्य होगा। सचालक जयदीप कुमार सिन्हा ने बताया कि सीएससी कीइस सेवा के तहत उनके केंद्र से आयुर्वेदिक, एलोर्जिथिक या होमियोपैथिक, विटामिस सहित विभिन्न प्रकार की दवाइयां खोरी जा सकते हैं। ब्लड प्रेशर, शुगर, हाईट, एन्जीन बूस्टर सेवन करने वाले मरीज कॉमैन सर्विस सेंटर की इन सेवाओं का लाभ अवश्य ले। इसके साथ ही मरीज जेनेरिक दवाओं का भी लाभ ले सकते हैं। उनके केंद्र पर ऑनलाइन विशेषज्ञ चिकित्सकों से सलाह लिया जा सकता है। यह सेवा प्रत्येक कार्यक्रम को पूर्वान्ह 11 से 3 बजे तक उपलब्ध है।

**चित्रांश परिवार की बैठक में प्रस्तुत किया गया आय व्यय का ब्लॉग**

**बरही (प्रभात मंत्र संचाददाता):** रविवार की देर संध्या चित्रांश परिवार बही की बैठक संचय हुआ। बैठक न्यू कॉलेजीनी स्थित वरिष्ठ चित्रांश मुख्य संस्करण उपर्युक्त प्रसाद के आवास पर आहट की गई थी। जिसकी अध्यक्षता प्रबंध अध्यक्ष मनोज घोष और संचालन सचिव अशुभोग कुमार सिन्हा ने किया। सचिव ने उपस्थित चित्रांशों के बीच हाल ही में संपत्र हुए चित्रांश पूजा के आय व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया। साथ ही उपस्थित लोगों से संपूर्ण करवाई गई। सभों ने पूजा होमेंट्रेस संपत्र करवाने के लिए पूजा कमिटी के परिवारियों को बधाया दिया। इसके साथ ही आयामी 3 दिसंबर के चित्रांशों के गौरव देश के प्रथम राष्ट्रपति देशराज डॉ राजेंद्र प्रसाद की जयती भी मनाया जाना निर्णय लिया गया। मुख्य संस्करण ने बताया कि डॉ प्रसाद देश के अमृत धरोहर है, जिन पर पूरे देशवासियों को गर्व है। बैठक में सचालक जयदीप रुखरियां सहित श्याम कुमार सिन्हा, जयदीप कुमार सिन्हा, अमित कुमार सिन्हा आदि उपस्थित थे।

**त्रिवेणीकान्त ठाकुर की 13 वीं पुण्यतिथि पर विजय शंकर मलिक सुधापति, प्रो. शैलेश शर्मा किये गए सम्मानित**

**हजारीबाग (प्रभात मंत्र संचाददाता):** शिक्षाविद त्रिवेणी कांत ठाकुर की 13वीं पुण्यतिथि पर बैठक संचय हुआ। बैठक न्यू कॉलेजीनी स्थित वरिष्ठ चित्रांश मुख्य संस्करण उपर्युक्त प्रसाद के आवास पर आहट की गई थी। जिसकी अध्यक्षता प्रबंध अध्यक्ष मनोज घोष और संचालन सचिव अशुभोग कुमार सिन्हा ने किया। सचिव ने उपस्थित चित्रांशों के बीच हाल ही में संपत्र हुए चित्रांश पूजा के आय व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया। साथ ही उपस्थित लोगों से संपूर्ण करवाई गई। सभों ने पूजा होमेंट्रेस संपत्र करवाने के लिए पूजा कमिटी के परिवारियों को बधाया दिया। इसके साथ ही आयामी 3 दिसंबर के चित्रांशों के गौरव देश के प्रथम राष्ट्रपति देशराज डॉ राजेंद्र प्रसाद की जयती भी मनाया जाना निर्णय लिया गया। साथ ही उपस्थित लोगों की गोपनीयता और समर्पण को विश्वास करने के लिए पूजा कमिटी के परिवारियों को बधाया दिया। इसके बाद अधिकारियों का स्वागत करते सचिव राकेश ठाकुर ने ट्रस्ट की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। कहा की इस साल हिंदी में बिनोद राज विद्रोही, मैथिली में विजय शंकर मलिक और पत्रकरिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान करने वाले डॉ शैलेश शर्मा को पुस्तकार दिया जा रहा है। प्रशस्ति वाचान हितनाथ ज्ञा ने किया। कार्यक्रम में चेवर औफ फेर्डेशन के उपाध्यक्ष सुबोध अग्रवाल, जदयू के पूर्व जिला अध्यक्ष चंद्र मोहन पटेल, राकेश गुरु सहित बड़ी संछिया में शिक्षक समाजसेवी और गणमान लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम में डॉ शम्भु बादल की पुस्तक कविता का मैथिली में विजय शंकर मलिक और अंग्रेजी में प्रियंका कुमारी गुप्ता की हिंदी में लिखी पुस्तक रोटी की मौत, अंग्रेजी में प्रियंका कुमारी गुप्ता की फॉर एवर मौर का विवेचन किया गया। कई साहित्यकारों को मिल चुका है यह सम्मान त्रिवेणीकान्त ठाकुर की पुण्य तिथि 27 नवंबर को आयोजित साहित्यिक समारोह में प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार अब तक 20 साहित्यकारों को मिल चुका है। अभी तक हिंदी में डॉ शिवदयाल सिंह, डॉ शम्भु बादल, डॉ भारत यायावर, डॉ रतन वर्मा, डॉ सुबोध सिंह शिवाली, मैथिली में कुमार मनोज अरविंद, डॉ विधानशंख ज्ञा, पंचानंद मिश्र, स्प्रियराम ज्ञा सरस, बुद्धि नाथ ज्ञा, गिरजानंद ज्ञा अर्धनारीश्वर, और डॉ कृष्ण अनन्द ज्ञा को पुस्तक दिया गया है। यही संस्कृत में डॉ तराकांत शुक्ल, बंगल में नन्हा गुरु, अंग्रेजी कुमार बन्जारी, झूंझु में अब्जुल अलीमुल्लाह होदा उर्फ अली मुनीर, डॉ फरहत हुसैन खुशिल लोको पुरस्कार दिया गया है। वही पत्रकरिता के क्षेत्र में पुरस्कार देने की शुरुआत 2022 से की गई है। अभी तक अधिकारी सेवों को सम्मानित किया गया है। इसके बाद अधिकारियों का स्वागत करते सचिव राकेश ठाकुर ने ट्रस्ट की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। कहा की इस साल हिंदी में बिनोद राज विद्रोही, मैथिली में विजय शंकर मलिक और पत्रकरिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले डॉ शैलेश शर्मा को पुस्तकार दिया जा रहा है। प्रशस्ति वाचान हितनाथ ज्ञा ने किया। कार्यक्रम में चेवर औफ फेर्डेशन के उपाध्यक्ष सुबोध अग्रवाल, जदयू के पूर्व जिला अध्यक्ष चंद्र मोहन पटेल, राकेश गुरु सहित बड़ी संछिया में शिक्षक समाजसेवी और गणमान लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम में डॉ शम्भु बादल की पुस्तक कविता का मैथिली में विजय शंकर मलिक और अंग्रेजी में प्रियंका कुमारी गुप्ता की हिंदी में लिखी पुस्तक रोटी की मौत, अंग्रेजी में प्रियंका कुमारी गुप्ता की फॉर एवर मौर का विवेचन किया गया। कई साहित्यकारों को मिल चुका है यह सम्मान त्रिवेणीकान्त ठाकुर की पुण्य तिथि 27 नवंबर को आयोजित साहित्यिक समारोह में प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार अब तक 20 साहित्यकारों को मिल चुका है। अभी तक हिंदी में डॉ शिवदयाल सिंह, डॉ शम्भु बादल, डॉ भारत यायावर, डॉ रतन वर्मा, डॉ सुबोध सिंह शिवाली, मैथिली में कुमार मनोज अरविंद, डॉ विधानशंख ज्ञा, पंचानंद मिश्र, स्प्रियराम ज्ञा सरस, बुद्धि नाथ ज्ञा, गिरजानंद ज्ञा अर्धनारीश्वर, और डॉ कृष्ण अनन्द ज्ञा को पुस्तक दिया गया है। यही संस्कृत में डॉ तराकांत शुक्ल, बंगल में नन्हा गुरु, अंग्रेजी में प्रियंका कुमारी गुप्ता की हिंदी में लिखी पुस्तक रोटी की मौत, अंग्रेजी में प्रियंका कुमारी गुप्ता की फॉर एवर मौर का विवेचन किया गया। कई साहित्यकारों को मिल चुका है यह सम्मान त्रिवेणीकान्त ठाकुर की पुण्य तिथि 27 नवंबर को आयोजित साहित्यिक समारोह में प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार अब तक 20 साहित्यकारों को मिल चुका है। अभी तक हिंदी में डॉ शिवदयाल सिंह, डॉ शम्भु बादल, डॉ भारत यायावर, डॉ रतन वर्मा, डॉ सुबोध सिंह शिवाली, मैथिली में कुमार मनोज अरविंद, डॉ विधानशंख ज्ञा, पंचानंद मिश्र, स्प्रियराम ज्ञा सरस, बुद्धि नाथ ज्ञा, गिरजानंद ज्ञा अर्धनारीश्वर, और डॉ कृष्ण अनन्द ज्ञा को पुस्तक दिया गया है। यही संस्कृत में डॉ तराकांत शुक्ल, बंगल में नन्हा गुरु, अंग्रेजी में प्रियंका कुमारी गुप्ता की हिंदी में लिखी पुस्तक रोटी की मौत, अंग्रेजी में प्रियंका कुमारी गुप्ता की फॉर एवर मौर का विवेचन किया गया। कई साहित्यकारों को मिल चुका है यह सम्मान त्रिवेणीकान्त ठाकुर की पुण्य तिथि 27 नवंबर को आयोजित साहित्यिक समारोह में प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार अब तक 20 साहित्यकारों को मिल चुका है। अभी तक हिंदी में डॉ शिवदयाल सिंह, डॉ शम्भु बादल, डॉ भारत यायावर, डॉ रतन वर्मा, डॉ सुबोध सिंह शिवाली, मैथिली में कुमार मनोज अरविंद, डॉ विधानशंख ज्ञा, पंचानंद मिश्र, स्प्रियराम ज्ञा सरस, बुद्धि नाथ ज्ञा, गिरजानंद ज्ञा अर्धनारीश्वर, और डॉ कृष्ण अनन्द ज्ञा को पुस्तक दिया गया है। यही संस्कृत में डॉ तराकांत शुक्ल, बंगल में नन्हा गुरु, अंग्रेजी में प्रियंका कुमारी गुप्ता की हिंदी में लिखी पुस्तक रोटी की मौत, अंग्रेजी में प्रियंका कुमारी गुप्ता की फॉर एवर मौर का विवेचन किया गया। कई साहित्यकारों को मिल चुका है यह सम्मान त्रिवेणीकान्त ठाकुर की पुण्य तिथि 27 नवंबर को आयोजित साहित्यिक समारोह में प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार अब तक 20 साहित्यकारों को मिल चुका है। अभी तक हिंदी में डॉ शिवदयाल सिंह, डॉ शम्भु बादल, डॉ भारत यायावर, डॉ रतन वर्मा, डॉ सुबोध सिंह शिवाली, मैथिली में कुमार मनोज अरविंद, डॉ विधानशंख ज्ञा, पंचानंद मिश्र, स्प्रियराम ज्ञा सरस, बुद्धि नाथ ज्ञा, गिरजानंद ज्ञा अर्धनारीश्वर, और डॉ कृष्ण अनन्द ज्ञा को पुस्तक दिया गया है। यही संस्कृत में डॉ तराकांत शुक्ल, बंगल में नन्हा गुरु, अंग्रेजी में प्रियंका कुमारी गुप्ता की हिंदी में लिखी पुस्तक रोटी की मौत, अंग्रेजी में प्रियंका कुमारी गुप्ता की फॉर एवर मौर का विवेचन किया गया। कई साहित्यकारों को मिल चुका है यह सम्मान त्रिवेणीकान्त ठाकुर की पुण्य तिथि 27 नवंबर को आयोजित साहित्यिक समारोह में प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार अब तक 20 साहित्यकारों को मिल चुका है। अभी तक हिंदी में डॉ शिवदयाल सिंह, डॉ शम्भु बादल, डॉ भारत यायावर, डॉ रतन वर्मा, डॉ सुबोध सिंह शिवाली, मैथिली में कुमार मनोज अरविंद, डॉ विधानशंख ज्ञा, पंचानंद मिश्र, स्प्रियराम ज्ञा सरस, बुद्धि नाथ ज्ञा, गिरजानंद ज्ञा अर्धनारीश्वर, और डॉ कृष्ण अनन्द ज्ञा को पुस्तक दिया गया है। यही संस्कृत में डॉ तराकांत शुक्ल, बंगल में नन्हा गुरु, अंग्रेजी में प्रियंका कुमारी गुप्ता की ह







चलते चलते एक नज़र

संत मरियन में मना गुरु नानक जयंती



**मेदिनीनगर (प्रभात मंत्र संवाददाता) :** संत मरियम स्कूल में सियों के आदर्श, समाज सुधारक, महान दर्शनीक गुरु नानक देव जी की जयंती मनाई गई। स्कूल के चेयरमैन अविनाश देव द्वारा गुरु नानक देव जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ञविलित कर कार्यक्रम की शुरुआत किया गया। मौके पर अपने संबोधन में अविनाश देव ने कहा की दूर दूर इस रखने वाले गुरु नानक ने आध्यात्मिकता की गहरी भावना और परमात्मा के समझने की खोज पर देव दिया। उनकी शिक्षाएँ एकेक्षर दाता की अवधारणा में निहित हैं, जो ईश्वर की एकता और संरूप मानवता की एकता पर जोर देती है। उन्होंने धार्मिक हठपर्वती और संरूप मानवता की खालिंग कर दिया, जिन्हें वे खोखला मानते थे, इसके बजाय उन्होंने ध्यान और भक्ति के माध्यम से परमात्मा के साथ वास्तविक संबंध के महत्व पर जोर दिया। इनके कथनों से प्रेरित होकर अदिकाल से ही सिख धर्म, सभी धर्मों के लोगों का आदर्श रहा। गरीबों, जरूरतमंदों के प्रति ये सदैव सहानुभूति रखते हैं। हम सभी को इनके सेवा कार्य से सदैव प्रेरणा मिलता है। मौके पर प्राचार्य संमेत सभी शिक्षक भौजद रहे।

## शांतनु सेन की टिप्पणी देश से गदारी, ममता करें निष्कासित : गणगा

**नई दिल्ली :** तेजस से प्रधानमंत्री ने देश के लिए भारतीय जनता पार्टी घोर अवासि दर्ज की है। भाजपा ने ममता बनर्जी से उहें पार्टी से निष्कासित कर देने की मांग की है। भाजपा के प्रवक्ता शशील पूनावाना ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा से कुछ दलों और नेताओं को इस कदर नफरत है कि अब वे भारत की सेना और बायु सेना का नुकसान होने की भी कामना करते लगे हैं। यह बेहद घटिया राजनीति ही ही देश के प्रति गदारी भी है। उन्होंने कहा कि तृष्णमूल कार्यक्रम के नेता तेजस लड़का बिमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की कामना करते लगे हैं। उन्होंने पूछा कि तृष्णमूल कार्यक्रम को क्या हो गया है? ममता बनर्जी में अगर थोड़ी सी भी देशप्रति और नैतिकता बढ़ी हो तो उहें शांतनु सेन को तकाल प्रभात से पारी से निष्कासित कर देना चाहिए। शहजाद पूनावाना ने कहा कि यैसीसी सांसद शांतनु सेन का बयान निचले स्तर का है वे चाहते हैं कि वायुसेना का लड़का बिमान तेजस दुर्घटनाग्रस्त हो जाए तो वे क्योंके प्रधानमंत्री मोदी उसमें बैठे थे। शिवसेना से सबूत मांगने के बाद, यैसीसी ने राजिकां स्ट्रॉक, बलाकांट स्ट्रॉक पर संदेह किया और पुरावामा को बदले फर्जी कहा। उन्होंने पूछा कि क्या इस बिमान का ममता दीदी ने समर्थन किया है या वह शांतनु को बर्खास्त करेगी? उत्तेजित है कि शनिवार को बैंगलुरु में प्रधानमंत्री ने देश एयरफोर्म में उड़ान भरी थी।

पलामू दौरे पर आए हैं कर्नाटक के प्रख्यात पर्यावरणविद पांडुरंग हेगडे

## पर्यावरणविद कौशल की बातों की अनदेखी करना लोगों को पड़ेगा महंगा : हेगडे

प्रभात मंत्र संवाददाता



**लातेहार :** कर्नाटक से तीन दिवसीय दौरे पर पलामू आये प्रख्यात पर्यावरणविद पांडुरंग हेगडे ने यहां के बढ़ते तापमान पर चिंता जताते हुए कहा कि पर्यावरणविद कौशल की बातों की वाले के लोग अनुरोध करते हो तो आने वाले समय में उनके लिए काफी महंगा साबित होगा। वे पिछले 50 वर्षों से चिकित्सकों व बनरायी भूम्बले से जुड़कर पर्यावरण के क्षेत्र में कई उल्लेखनीय कार्य किया है। उन्होंने लातेहार जिला के पलामू किला में वनों पर कोलकाता से आये लोगों के साथ बरवाडीह के कस्तुरबा विद्यालय और खुगा पचायत में गुरु नानक देव की जयंती के पूर्व संस्था पर चिंता की खोज की चर्चा की थी। इस दौरे उन्होंने विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण के राष्ट्रीय अध्यक्ष सदस्य पर्यावरण धर्मपुरुष व वन राशी के प्रयोग के लिए वन्यजाति को शामिल किया। अपने संबोधन में पांडुरंग हेगडे ने प्रमंडल में बढ़ती तापमान

पर चिंता जताते हुए कहा कि लोग प्रकृति के साथ अर्थ के लिए अनर्थ कर रहे हैं। जबकि पर्यावरण धर्म गुरु कौशल ने 50 वर्ष पूर्व से कहते आ रहे हैं कि अगर इसी तरह प्रकृति से छेड़छाड़ होते रहा तब लोगों को पानी को बोतल व आँखोंसीजन की जुड़ी कई बातों की जानकारी साझा किया। अपने संबोधन में पांडुरंग हेगडे ने प्रमंडल में बढ़ती तापमान

पर चिंता जताते हुए कहा कि लोग प्रकृति के साथ अर्थ के लिए अनर्थ कर रहे हैं। जबकि पर्यावरण धर्म गुरु कौशल ने 50 वर्ष पूर्व से कहते आ रहे हैं कि अगर इसी तरह प्रकृति से छेड़छाड़ होते रहा तब लोगों को पानी को बोतल व आँखोंसीजन की जुड़ी कई बातों की जानकारी साझा किया। अपने संबोधन में पांडुरंग हेगडे ने प्रमंडल में बढ़ती तापमान

पर चिंता जताते हुए कहा कि लोग प्रकृति के साथ अर्थ के लिए अनर्थ कर रहे हैं। जबकि पर्यावरण धर्म गुरु कौशल ने 50 वर्ष पूर्व से कहते आ रहे हैं कि अगर इसी तरह प्रकृति से छेड़छाड़ होते रहा तब लोगों को पानी को बोतल व आँखोंसीजन की जुड़ी कई बातों की जानकारी साझा किया। अपने संबोधन में पांडुरंग हेगडे ने प्रमंडल में बढ़ती तापमान

पर चिंता जताते हुए कहा कि लोग प्रकृति के साथ अर्थ के लिए अनर्थ कर रहे हैं। जबकि पर्यावरण धर्म गुरु कौशल ने 50 वर्ष पूर्व से कहते आ रहे हैं कि अगर इसी तरह प्रकृति से छेड़छाड़ होते रहा तब लोगों को पानी को बोतल व आँखोंसीजन की जुड़ी कई बातों की जानकारी साझा किया। अपने संबोधन में पांडुरंग हेगडे ने प्रमंडल में बढ़ती तापमान

पर चिंता जताते हुए कहा कि लोग प्रकृति के साथ अर्थ के लिए अनर्थ कर रहे हैं। जबकि पर्यावरण धर्म गुरु कौशल ने 50 वर्ष पूर्व से कहते आ रहे हैं कि अगर इसी तरह प्रकृति से छेड़छाड़ होते रहा तब लोगों को पानी को बोतल व आँखोंसीजन की जुड़ी कई बातों की जानकारी साझा किया। अपने संबोधन में पांडुरंग हेगडे ने प्रमंडल में बढ़ती तापमान

पर चिंता जताते हुए कहा कि लोग प्रकृति के साथ अर्थ के लिए अनर्थ कर रहे हैं। जबकि पर्यावरण धर्म गुरु कौशल ने 50 वर्ष पूर्व से कहते आ रहे हैं कि अगर इसी तरह प्रकृति से छेड़छाड़ होते रहा तब लोगों को पानी को बोतल व आँखोंसीजन की जुड़ी कई बातों की जानकारी साझा किया। अपने संबोधन में पांडुरंग हेगडे ने प्रमंडल में बढ़ती तापमान

पर चिंता जताते हुए कहा कि लोग प्रकृति के साथ अर्थ के लिए अनर्थ कर रहे हैं। जबकि पर्यावरण धर्म गुरु कौशल ने 50 वर्ष पूर्व से कहते आ रहे हैं कि अगर इसी तरह प्रकृति से छेड़छाड़ होते रहा तब लोगों को पानी को बोतल व आँखोंसीजन की जुड़ी कई बातों की जानकारी साझा किया। अपने संबोधन में पांडुरंग हेगडे ने प्रमंडल में बढ़ती तापमान

पर चिंता जताते हुए कहा कि लोग प्रकृति के साथ अर्थ के लिए अनर्थ कर रहे हैं। जबकि पर्यावरण धर्म गुरु कौशल ने 50 वर्ष पूर्व से कहते आ रहे हैं कि अगर इसी तरह प्रकृति से छेड़छाड़ होते रहा तब लोगों को पानी को बोतल व आँखोंसीजन की जुड़ी कई बातों की जानकारी साझा किया। अपने संबोधन में पांडुरंग हेगडे ने प्रमंडल में बढ़ती तापमान

पर चिंता जताते हुए कहा कि लोग प्रकृति के साथ अर्थ के लिए अनर्थ कर रहे हैं। जबकि पर्यावरण धर्म गुरु कौशल ने 50 वर्ष पूर्व से कहते आ रहे हैं कि अगर इसी तरह प्रकृति से छेड़छाड़ होते रहा तब लोगों को पानी को बोतल व आँखोंसीजन की जुड़ी कई बातों की जानकारी साझा किया। अपने संबोधन में पांडुरंग हेगडे ने प्रमंडल में बढ़ती तापमान

पर चिंता जताते हुए कहा कि लोग प्रकृति के साथ अर्थ के लिए अनर्थ कर रहे हैं। जबकि पर्यावरण धर्म गुरु कौशल ने 50 वर्ष पूर्व से कहते आ रहे हैं कि अगर इसी तरह प्रकृति से छेड़छाड़ होते रहा तब लोगों को पानी को बोतल व आँखोंसीजन की जुड़ी कई बातों की जानकारी साझा किया। अपने संबोधन में पांडुरंग हेगडे ने प्रमंडल में बढ़ती तापमान

पर चिंता जताते हुए कहा कि लोग प्रकृति के साथ अर्थ के लिए अनर्थ कर रहे हैं। जबकि पर्यावरण धर्म गुरु कौशल ने 50 वर्ष पूर्व से कहते आ रहे हैं कि अगर इसी तरह प्रकृति से छेड़छाड़ होते रहा तब लोगों को पानी को बोतल व आँखोंसीजन की जुड़ी कई बातों की जानकारी साझा किया। अपने संबोधन में पांडुरंग हेगडे ने प्रमंडल में बढ़ती तापमान

पर चिंता जताते हुए कहा कि लोग प्रकृति के साथ अर्थ के लिए अनर्थ कर रहे हैं। जबकि पर्यावरण धर्म गुरु कौशल ने 50 वर्ष पूर्व से कहते आ रहे हैं कि अगर इसी तरह प्रकृति से छेड़छाड़ होते रहा तब लोगों को पानी को बोतल व आँखोंसीजन की जुड़ी कई बातों की जानकारी साझा किया। अपने संबोधन में पांडुरंग हेगडे ने प्रमंडल में बढ़ती तापमान

पर चिंता जताते हुए कहा कि लोग प्रकृति के साथ अर्थ के लिए अनर्थ कर रहे हैं। जबकि पर्यावरण धर्म गुरु कौशल ने 50 वर्ष पूर्व से कहते आ रहे हैं कि अगर इसी तरह प्रकृति से छेड़छाड़ होते रहा तब लोगों को पानी को बोतल व आँखोंसीजन की जुड़ी कई बातों की जानकारी साझा किया। अपने संबोधन में पांडुरंग हेगडे ने प्रमंडल में बढ़ती तापमान